Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to shift 'Asthi Kalash' of Lord Buddha from Delhi to Kapilvastu in Uttar Pradesh -laid.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): भगवान गौतम बुद्ध की जन्मस्थली कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर जहाँ बौद्ध धर्म के मानने वाले लाखों पर्यटक प्रतिवर्ष कपिलवस्तु आने में अपना सौभाग्य मानते हैं । कपिलवस्तु में पर्यटक आने के बाद वहाँ के इतिहास को जानने की जिज्ञासा उनमें होती है । इसी क्रम में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने एक राष्ट्रीय संग्रहालय की स्थापना पिपरहवा कपिलवस्तु में की है । उसके अंतर्गत कपिलवस्तु में Department of Archeology एवं कोलकाता विश्वविद्यालय के समस्त खुदाई से प्राप्त वस्तुओं को उक्त संग्रहालय में रखा गया है । लेकिन यहाँ से खुदाई में प्राप्त दो अस्थि कलश वर्तमान समय में राष्ट्रीय संग्रहालय दिल्ली में रखे हुए हैं, जबकि गौतम बुद्ध ने जीवन के प्रारम्भिक 29 वर्ष कपिलवस्तु में ही व्यतीत किये थे । इसलिए बौद्ध श्रद्धालुओं के लिए कपिलवस्तु अत्यंत महत्वपूर्ण है । यदि एक अस्थिकलश वहाँ से राष्ट्रीय संगहालय पिपरहवा, कपिलवस्तु में स्थापित कर दी जाय तो बौद्ध धर्म को मानने वाले लाखों पर्यटक प्रतिवर्ष सारनाथ, कपिलवस्तु, कुशीनगर एवं श्रावस्ती के साथ-साथ अस्थिकलश के भी दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त कर सकेंगे जिससे देश एवं प्रदेश को काफी विदेशी मुद्रा से राजस्व में वृद्धि होगी ।

अतः मैं सरकार से मांग करता हूँ कि भगवान बुद्ध का एक अस्थिकलश राष्ट्रीय संग्रहालय कपिलवस्तु में उपलब्ध कराने हेतु भारतीय राष्ट्रीय संगहालय पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग को निर्देशित करने की कृपा करें ।